अब 'ई-क्लास' से करें अपनी पढ़ाई

आज देश में न केवल अच्छे अध्यापकों की भारी कमी है, बल्कि केवल स्कूल की पढ़ाई से छात्र अच्छे नंबर नहीं हासिल कर सकता है. मजबूरन उसे कोचिंग का सहारा लेना पड़ता है, जो गरीब छात्र के लिए संभव नहीं है. इन समस्याओं से निपटने एवं छात्रों को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए सुंदरम एजुसिस प्रा. लि. शिक्षा के क्षेत्र में नयी क्रांति लाने के लिए तैयार है. उसने सुंदरम ई-क्लास की नयी संकल्पना देश की है. जिसके तहत बच्चे अपनी पढ़ाई घर बैठे टीवी या एक छोटे एलसीडी पर कर सकते हैं. 'सुंदरम ई-क्लास' से केंद्र सरकार के सर्वशिक्षा अभियान को भी सफल बनाने में काफी मदद मिल सकती है.

'सुंदरम ई-क्लास' में महाराष्ट्र राज्य बोर्ड के ८वीं, ९वीं एवं 10वीं के छात्र सभी विषयों का अध्ययन मराठी तथा अंग्रेजी माध्यम से वर्चुअल क्लास के रूप में कर सकते हैं. इसमें बच्चों को पढ़ाई जाने वाली पाठ्यपुस्तक की हर पंक्ति को सवाल-जवाब के साथ गणित व विज्ञान के नियमों को विस्तार से एनिमेशन के साथ प्रस्तुत किया गया है. सेवाभावी संस्थाएं भी इसका इस्तेमाल कर उन बच्चों तक शिक्षा को पहुंचा सकती है जो शिक्षा के क ख ग घ से अनभिज्ञ हैं. जहां स्कूल नही है वहीं ई-क्लास का आयोजन कर वहां बच्चों को शैक्षिणक रूप से सक्षम बनाया जा सकता है. ८वीं, ९वीं और दसवीं कक्षा के सभी विषयों को (भाषा को छोड़कर) एक पेन ड्राइव में संकलित किया गया है. जिसे एक डिवाइस में लगाकर उस डिवाइस को घर के टीवी से जोड़कर टीवी के स्क्रीन पर उभरते फिल्म के माध्यम से शैक्षणिक अध्ययन किया जा सकता है. आप एक रिमोट कंट्रोल के जरिए अपने अध्ययन का विषय चुन सकते हैं. किसी विषय का, कौन से पाठ का सवाल-जबाव देखना है, आदि विकल्प को चुनने की भी व्यवस्था इसमें हैं. परीक्षा के लिए जाने से पहले की जाने वाली तैयारी का भी मार्गदर्शन इसमें शामिल है. अभिभावक के साथ ही स्कूल और कोचिंग क्लास भी छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

कई बार भूगोल के शिक्षक को विज्ञान पढ़ाना पढ़ता है. ऐसे में उस शिक्षक के सामने एक नई चुनौती होती है लेकिन यदि आपके स्कूल में 'सुंदरम ई-क्लास' की व्यवस्था है तो भूगोल का शिक्षण भी आसानी से बच्चें को विज्ञान पढ़ा सकता है. अपने परिसर में सामूहिक रूप से सैकड़ों छात्रों के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है. जिसके तहत ई-क्लास का निर्माण कर सैकड़ों बच्चों को पढ़ाया जा सकता है. प्रतिमाह 5000 रुपये के खर्च में 'सुंदरम ई-क्लास' की व्यवस्था से बच्चों को शिक्षित किया जा सकता है. इस सॉफ्टवेयर में सभी विषयों के विषय को एनीमेशन के माध्यम से सचित्र समझाया गया है. परीक्षा की तैयारी कैसे करें, विषय को कैसे समझे, पूछे गये सवाल का जबाव किस तरह लिखे, परीक्षा देने के पहले आखिरी क्षणों मे पूरे विषय की किस तरह पढ़ाई करें. आदि सभी बाते भी इसमें समझाई गई है. वर्चुअल क्लास तकनीकी पर आधारित 'सुंदरम ई-क्लास' संकल्पना का प्रारंभ हो गया है. महाराष्ट्र के दसवीं बोर्ड के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के कक्षा ८वीं से दसवीं तक के छात्र फिल्म देखने की अनुभूति के साथ भाषा को छोड़कर पाठ्यक्रम के सभी विषयों का विस्तृत अध्ययन इसके माध्यम से कर सकते हैं. इस नई अवधारणा के बारे में सुंदरम मल्टीपैप के अध्यक्ष अमृत शाह कहते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत भेदभाव किया जाता है. मनपा स्कूलों में पढ़ने वाले, गांव में पढ़ने वाले, शहर में पढ़ने वाले, बड़े मंहगे निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच मतभेद किया जाता है. इसी कारण मेरे मन में यह विचार आया कि देश का हर बच्चा एक ही शिक्षा पद्धति के तहत बेहतर शिक्षा प्राप्त करें. इसीलिए बहुत जल्द ही देश के सभी शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रमों को इसमें शामिल किया जायेगा. भविष्य में सभी कक्षा के छात्रों को ई-क्लास की सेवा प्रदान करने का लक्ष्य सुंदरम ने रखा है.